चढ़ गयी चढ़ गई श्याम भंग होली में

चढ़ गयी चढ़ गई श्याम भंग होली में ।

तन में चढ़ गई मन में चढ़ गई,
रोम रोम में मेरे राम गई ।
चढ़ गई पूरा पूरी, श्याम भंग होली में ॥

तू रंग डाले, मैं रंग डालूं,
वस्त्र आभूषण कैसे संभालूं ।
हो गई जोरा जोरी, श्याम भंग होली में ॥

गोपी खेले ग्वाले खेले,
एक दूजे के मुख रंग मेले ।
रंग गई राधा गोरी, श्याम भंग होली में ॥

नटखट श्याम बंसी बजावे,
मैं नाचूं मोहे लाज ना आए ।
छम छम बाजे पायल, निगोड़ी होली में ॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/371/title/chad-gayi-chad-gayi-shyam-bhang-holi-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |